SEHGAL FOUNDATION

हम मिलकर ग्रामीण भारत को सशक्त बनाते हैं

© Mick Minard/REEF Reports

एस एम सहगल फाउंडेशन

एस एम सहगल फाउंडेशन (सहगल फाउंडेशन), एक सार्वजनिक परोपकारी न्यास है, जो भारत में 1999 से पंजीकृत है। हमारा ध्येय ग्रामीण भारत में सकारात्मक सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण बदलाव के लिए सामुदायिक नेतृत्व को विकसित करना है ताकि ग्रामीण अंचल का हर व्यक्ति सुरक्षित व समृद्ध जीवन जीने के योग्य बन सके। इसके लिए हम कृषि की उत्पादकता में वृद्धि पर बल देते है, जल संसाधनों के उचित प्रबंधन का प्रदर्शन करते हुए समुदाय की क्षमता वृद्धि करते हैं। जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत बनाने और नागरिकों की ग्रामीण प्रशासन में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लोगों के साथ मिल कर काम करते हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए स्थानीय स्तर पर महिला संगठनों का निर्माण करते हैं। इन सभी प्रयासों में सामुदायिक मीडिया का भी प्रयोग करते है। हमें विश्वास है कि ग्रामीण समुदायों के उचित समर्थन से उनमें जागरूकता आएगी और अपना विकास खुद करने की दृष्टि विकसित होगी। यह प्रक्रिया उन्हें अंततः एक गरिमामय व सम्मानजनक जीवन प्रदान करेगी।

जल प्रबंधन

उचित जल प्रबंधन द्वारा ग्रामीण जीवन में बदलाव

पानी ग्रामीण जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है और स्वास्थ्य, शिक्षा व खेती के लिये आधारभूत महत्व रखता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए सहगल फाउंडेशन की टीम समुदायों के साथ मिलकर काम करती है ताकि पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके, स्वच्छता में सुधार लाया जा सके और स्कूलों, घरों व समुदाय के स्तर पर गंदे पानी का प्रबंधन किया जा सके।

पानी की उपलब्धता व गुणवत्ता में सुधार

छतों से वर्षा जल संचयन, पानी की टंकियों, बायोसेंड फिल्टर और नलयुक्त पानी की सप्लाई (स्टैंड पोस्ट) द्वारा स्कूलों और घरों में खाने–पीने व साफ–सफाई के लिए पानी उपलब्ध कराते हैं। इससे बच्चों, ख़ास तौर से लड़कियों को पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलती है क्योंकि घरों में पानी के स्रोत न होने के कारण लड़कियों को अपना बहुत सारा समय दूर से पानी ढोकर लाने में ही बिताना पड़ता है। चैक डैम, कॉन्टूर ट्रेन्चेज़, (contour trencehs), सूखे कुओं की रिचार्जिंग (dug well recharging), प्रेशराइज़्ड रिचार्ज वेल्स (pressurised recharge wells) और तालाबों के विकास के जरिए भूमिगत जलस्तर में सुधार लाया जाता है। दूसरी तरफ सामुदायिक सोक वैल तथा सोक पिट गंदे पानी का सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करते हैं। गांवों के लोगों और विभिन्न स्थानीय विकास समितियों को इस बात के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है कि वे जल संसाधनों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सकें। इसके अलावा जल साक्षरता सत्रों द्वारा स्कूल के बच्चों और ग्रामीण समुदाय को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाता है।

कृषि विकास

भारत में अधिकतर किसानों की आजीविका खेती पर ही निर्भर है। सहगल फाउंडेशन का कृषि विकास कार्यक्रम भी किसानों को खेती की नई तकनीकों के बारे में जानकारी देता है, जिससे किसान स्थायी कृषि पद्धतियों को अपनाकर देश की बढ़ती हुई खाद्य मांग को पूरा कर सकें। कृषि विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कम भूमि वाले किसानों को कृषि की आधुनिक पद्धतियों एवं कृषि से संबंधित सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी जाती है। इस कार्यक्रम में एकीकृत सूक्ष्म पोषक तत्व व जीवनाशी प्रबंधन, खेती में सिंचाई की नई तकनीक, नये बीज, उपयुक्त बीज दर के बारे में प्रशिक्षण व प्रदर्शन क्षेत्र (Demonstration) के माध्यम से जानकारी दी जाती है।

यह कार्यक्रम माहिला किसानों को भी कृषि की आधुनिक पद्धतियों के बारे में जानकारी देकर उनकी क्षमता वृद्धि करता है, जिससे महिला किसानों की भी समाज में अपनी पहचान बने।

ग्रामीण सुशासन

ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं की स्थिति को सुचारू रूप से चलाने के लिए और अपर्याप्त सरकारी सुविधाओं की समस्याओं से निपटने के लिए सहगल फाउंडेशन ग्रामीणों और ग्राम स्तरीय संस्थाओं को अपना विकास खुद करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है ताकि उनमें उपयुक्त ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास पैदा हो सके और सुशासन की व्यवस्था का वातावरण बने।

सुशासन अभी

ग्रामीण भारत के विकास के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाये जाते हैं। इनका उद्देश्य नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, अनाज और आवास के क्षेत्र में गांव स्तर पर मदद प्रदान करना है ताकि वे सभी गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें।

सहगल फाउंडेशन "सुशासन अभी" कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को उनके हक व अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य करती है। इसके जरिए गांव वालों को अपने अधिकारों को समझने में, जन सेवाओं तक पहुंच पाने और स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने में मदद दी जाती है।

गांव स्तरीय संस्थाओं को मजबूत बनाना

सहगल फाउंडेशन ग्राम स्तरीय संस्थाओं – पंचायत, स्कूल प्रबंधन समिति और ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति के नेतृत्व कौशल को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण देती है और उनमें संवेदनशीलता, उत्तरदायित्व और पारदर्शिता बढ़ाने में उनके साथ काम करती है। हम महिलाओं की भागेदारी बढ़ाने का विशेष प्रयास करते हैं ताकि वे विकास में अपनी भूमिका सुचारू रूप से निभा सकें।

बदलाव की दस्तक

भारत में ग्रामीण विकास के लिए सहगल फाउंडेशन की टीम सहभागी शोध, प्रभाव आंकलन, संवाद और कम्युनिटी मीडिया के साथ मिलकर काम करती है ताकि स्थानीय लोगों में ज्ञान का प्रसार हो और लोगों में स्थायी बदलाव हो। हमारी टीम विभिन्न विकास परिणामों से संबंधित गुणात्मक व मात्रात्मक जानकारियों का संकलन, आंकलन और रिपोर्टिंग करती है ताकि साक्ष्य आधारित शोध का एक ऐसा अभिलेखागार तैयार किया जा सके जिसमें ग्रामीण समुदायों की आवाज और सोच की झलक भी मिले और परिणाम भी दिख सके।

अंतरराष्ट्रीय संगठन युनेस्को और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने भी हमारे कार्यो की खुलकर सराहना की है।

हमारे साझेदार

सरकार तथा स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय संस्थानों, कंपनियों, विश्वविद्यालयों, फाउंडेशनों, शोध संस्थानों और एकल साझीदारों से मिलने वाली सहायता और अंशदान ग्रामीण भारत में हमारी पहुंच और हमारे प्रभावों को मजबूती देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण हेतु हमारे हमसफर बनें!

SEHGAL FOUNDATION

हम मिलकर
ग्रामीण भारत को
सशक्त बनाते हैं

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:–
प्लाट नंबर 34, सेक्टर 44, इंस्टीट्यूशनल एरिया
गुड़गाँव–122003, हरियाणा
ईमेल: **partnerships@smsfoundation.org**

एस एम सहगल फाउंडेशन (सहगल फाउंडेशन), एक सार्वजनिक परोपकारी न्यास है, जो भारत में 1999 से पंजीकृत है।

वेबसाइट: **www.smsfoundation.org**

Publication 2015